RAJ RISHI BHARTRI MATSYA UNIVERSITY
ALWAR (RAJASTHAN)

SYLLABUS

B.A. SANSKRIT

(Semester Scheme)

IIITo IV Semester – 2024-2025

RAJ RISHI BHARTRI MATSYA UNIVERSITY, ALWAR

2024-25

U.G. – SANSKRIT (Pass Course)

Sem. – III

Year	Sem	DCCC	Course	Course Nomenclature	Theory	Credit	EOSE/ CA	Lecture Per Week
II	III	DCCC	Sans	नाटक , छन्द, अलंकार एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास	Theory	06	120+30	06

RAJ RISHI BHARTRI MATSYA UNIVERSITY, ALWAR

2024-25

U.G. – SANSKRIT (Pass Course)

Sem. – IV

Year	Sem.	DCCC	Course	Course Nomenclature	Theory	Credit	EOSE/ CA	Lecture Per Week
II	IV	DCCC	Sans	वैदिक साहित्य , गद्य साहित्य एवं व्याकरण	Theory	06	120+30	06

बी.ए. संस्कृत –प्रथमवर्ष (2024–2025)
सेमेस्टर–IV
Course Code : Sans

वैदिक साहित्य , गद्य साहित्य एवं व्याकरण

द्वितीय सेमेस्टर में परीक्षा कुल 150 अङ्कों की होगी।
इसमें आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा 30 अङ्कों की होगी।
लिखित परीक्षा 120 अङ्कों की तथा समयावधि 3 घण्टे की होगी।
संस्कृत माध्यम से पूछे गये प्रश्नों का उत्तर संस्कृत में ही देय होगा।

इकाई	विषय	अङ्क
I	**वैदिक साहित्य–** (i)ऋग्वेद के निम्न सूक्तों का अध्ययन– अग्निसूक्त(1/1)वरूणसूक्त(1/25)इन्द्रसूक्त(2/12),क्षेत्रपतिसूक्त(4/57), विश्वेदेवासूक्त(8/58), प्रजापतिसूक्त(10/121),संज्ञानसूक्त(10/191), (ii)ईशावास्योपनिषद्	**30** अङ्क(20+10) 20 अङ्क 20 अङ्क
II	**गद्य साहित्य– शुकनासोपदेश**(कादम्बरी)	30 अङ्क
III	**वैदिक साहित्य का इतिहास–** (i)संहिता–रचनाकाल, परिचय,स्वरूप, विषयवस्तु,महत्व । (ii)ब्राह्मण साहित्य–स्वरूप,विषयवस्तु,महत्व। (ऐतरेय,शतपथ,छान्दोग्य,गोपथ ब्राह्मण) (iii) वेदाङ्ग –परिचय,स्वरूप, विषयवस्तु,महत्व।	30 अङ्क (10+10+10) 10 अङ्क 10 अङ्क 10 अङ्क
IV	**व्याकरण** (i) अजन्तप्रकरण– निम्नलिखित शब्दों की रूपसिद्धि एवं इनमें प्रयुक्त सूत्रों की व्याख्या –राम, सर्व, हरि,गुरू, रमा,मति, नदी, ज्ञान । (ii)हलन्तप्रकरण– निम्नलिखित शब्दों की रूपसिद्धि एवं इनमें प्रयुक्त सूत्रों की व्याख्या –राजन्, भवत्, विद्वस्, युष्मद्, अस्मद्, चतुर ।	**30** अङ्क (15+15) **15** अङ्क **15** अङ्क

विस्तृत अंक–विभाजन

क्र.सं.	नामपुस्तक	लघूत्तरात्मक प्रश्न	अंक	निबन्धात्मक प्रश्न	अंक	योग
1.	ऋग्वेद	02(लघुत्तरात्मक)	04	(i)दो मन्त्रों की हिन्दी में व्याख्या (ii)एक देवता का स्वरूप/चरित्र–चित्रण	2 X5=10 1X6=06	04+10+06=20
	ईशावास्योपनिषद्	02(लघुत्तरात्मक)	04	(i)एक मन्त्र की संस्कृत में व्याख्या	1X06=06	04+06=10
2.	शुकनासोपदेश	04(लघुत्तरात्मक)	08	(i)दो गद्यांशों का सप्रसंग अनुवाद (ii)एक प्रश्न का संस्कृत में उत्तर	2X7=14 1 X8=08	08+14+08=30
3.	वैदिकसाहित्य का इतिहास	ठस इकाई के सभी लघूत्तरात्मक प्रश्न संस्कृत माध्यम से पूछे जायेंगें।				
	(i)संहिता	02(लघुत्तरात्मक)	04	(i) एक निबन्धात्मक प्रश्न	1X6=06	10+10+10=30
	(ii)ब्राह्मण	02(लघुत्तरात्मक)	04	(i) एक निबन्धात्मक प्रश्न	1X6=06	
	(iii)वेदाङ्ग	01(लघुत्तरात्मक)	02	(ii)दो टिप्पणियां	2X4=08	
4.	**व्याकरण–**					
	(i)अजन्त प्रकरण	02(लघुत्तरात्मक)	04	(i)तीन पदों की रूप सिद्धि	3x4=12	4+12=16
	(ii)हलन्त प्रकरण	03(लघुत्तरात्मक)	06	(ii)दो पदों की रूप सिद्धि	2x4=8	06+08=14
		18	36		84	120

परीक्षा योजना– (EOSEप्रारूप)

समयावधि – 3 घण्टे पूर्णाङ्क– 120

खण्ड–"अ" (36 अङ्क)

अठारह–लघूत्तरात्मक–प्रश्नोंकानिर्माण 18X 02 = 36 अङ्क ।
(पाचों इकाइयों में से प्रत्येक इकाई से प्रश्न)
नोटः–

(i) सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।प्रत्येक प्रश्न के लिए दो अंक निर्धारित हैं।
(ii) तृतीय इकाई के लघूत्तरात्मक प्रश्न संस्कृतमाध्यम से बनाए जायेंगें तथा उनका उत्तर संस्कृत भाषा में देय होगा।

खण्डः –"ब" (84 अङ्क)

इकाई–प्रथम : वैदिक साहित्य

(क)ऋग्वेद

(i) ऋग्वेद के चार मन्त्रों में से किन्हीं दो मन्त्रों की सप्रसङ्ग व्याख्या–02 x 05=10अङ्क।
(ii) देवताओं के स्वरूप/चरित्र–चित्रण से सम्बन्धित दो प्रश्नों में से एक प्रश्न–01x06= 06अङ्क।

(ख) **ईशावास्योपनिषद्**

(i) दो मन्त्रों में से किसी एक मन्त्र की सप्रसङ्ग संस्कृत में व्याख्या–01 x 06 = 06 अङ्क।

इकाई–द्वितीयःशुकनासोपदेश–

(i) चार गद्यांशों में से किन्हीं दो का सप्रसङ्ग अनुवाद–02 x 07=14अङ्क।
(ii) दो विवेचनात्मक प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का संस्कृत मेंउत्तर- 01x08 = 08 अङ्क।

इकाई–तृतीयःवैदिक साहित्य का इतिहास

(i) संहिता में दोनिबन्धात्मक प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर–01x06= 06 अङ्क।
(ii) ब्राह्मण साहित्य में दो निबन्धात्मक प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर–01x06= 06 अङ्क।
(iii)वेदाङ्ग साहित्य में चार टिप्पणियों में से किन्हीं दो का उत्तर–02 x 04= 08 अङ्क।

इकाई–चतुर्थः व्याकरण–

(i) अजन्तप्रकरण के छः पदों में से किन्हीं तीन पदों की रूपसिद्धि –03 x 04= 12अङ्क।
(ii)हलन्तप्रकरण के छः पदों में से किन्हीं तीन पदों की रूपसिद्धि –03 x 04= 12अङ्क।

खण्ड–ब प्रारूप आन्तरिक/ सतत मूल्यांकन
(उपर्युक्त पाचों इकाईयों के आधार पर)
पूर्णाङ्क– 30
(i) कक्षा में उपस्थिति– 05 अङ्क।
(ii)कक्षा में प्रदर्शन– 05 अङ्क।
(iii)पाठ्यचर्या आधारित टर्म पेपर/ मिड टर्म टेस्ट– 10 अङ्क।
(iv)पाठ्यचर्या आधारित सेमिनार/ परियोजना कार्य–10 अङ्क।

नोटः विद्यार्थी को **External Theory Paper (EOSE)**–120अंक तथा **Internal Continuous Assessment (CA)**–30 अंक में पृथक्–पृथक् उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

सहायक पुस्तकें :–

1. वैदिक सूक्त मुक्तावलिडॉ.सुधीरकुमार गुप्त,हंसा प्रकाशन,जयपुर।
2. ऋक् सूक्त मंजरी–डॉ. सुभाष वेदालंकार,अलंकार प्रकाशन,जयपुर।
3. ऋग्वेद संहिता– एफ. मैक्समूलर, चौखम्भा प्रतिष्ठान, दिल्ली।
4. ऋग्वेद संहिता–डॉ.शारदाचतुर्वेदी, चौखम्भा प्रतिष्ठान, दिल्ली।
5. ऋग्वेद संहिता– वी.के.शर्मा, चौखम्भा प्रतिष्ठान, दिल्ली।
6. ईशावास्योपनिषद्–श्रीशंकराचार्य–गीताप्रे सगोरखपुर।
7. ईशावास्योपनिषद्–दीपक कुमार , चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
8. ईशावास्योपनिषद्–हरस्वरूप वशिष्ठ, हंसा प्रकाशन, जयपुर।
9. ईशावास्योपनिषद्–विष्णु वामन शास्त्री, रामकृष्ण मठ, नागपुर।
10. लघुसिद्धान्तकौमुदी–डॉ. अर्कनाथचौधरी
11. वैदिक साहित्य और संस्कृति–डॉ, बलदेव उपाध्याय, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
12. वैदिक साहित्य का इतिहास–रघुवीर वेदालंकार चौखम्भा ओरण्टलिया, दिल्ली।
13. वैदिक साहित्य का इतिहास–देवेन्द्रनाथ पाण्डेय , जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर।
14. लघुसिद्धान्तकौमुदी–डॉ. श्रद्धा सिंह
15. लघुसिद्धान्तकौमुदी–डॉ. भीमसेन शास्त्री।
16. लघुसिद्धान्तकौमुदी–डॉ, डॉ. अर्कनाथ चौधरी।